भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **4791** जिसका उत्तर
शुक्रवार, 28 मार्च, 2025/7 चैत्र, 1947 (शक) को दिया जाना है

असम में अंतर्देशीय जलमार्ग के माध्यम से कार्गो

†4791. श्री कामाख्या प्रसाद तासा :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार के पास असम में पिछले पांच वर्षों में अंतर्देशीय जलमार्गों के माध्यम से संभाले गए कार्गो के परिमाण संबंधी आंकड़े हैं और यदि हां, तो कार्गो के प्रकार और वर्षवार टन भार सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) असम में कार्गो, स्थानीय व्यापार, परिवहन और यात्री आवागमन पर नई जेटी और ड्रेजिंग गतिविधियों का अपेक्षित प्रभाव क्या है;

(ग) क्या सरकार के पास पिछले पांच वर्षों में असम के अंतर्देशीय जल मार्गों से उत्पन्न राजस्व की राशि संबंधी आंकड़े हैं;

(घ) क्या सरकार ने असम की स्थानीय अर्थव्यवस्था पर राष्ट्रीय जलमार्ग -2 (एनडब्ल्यू-2) के विकास के आर्थिक प्रभाव संबंधी कोई आकलन किया है; और

(ङ) यदि हां, तो उत्पन्न राजस्व के विश्लेषण का ब्यौरा क्या है तथा उसके वर्षवार और मार्गवार आर्थिक प्रभाव आकलन क्या हैं?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): असम में राष्ट्रीय जलमार्गों (रा.ज.) पर पिछले पांच वर्षों में दर्ज कार्गो का विवरण **अनुबंध-1** में दिया गया है।

(ख): हाल ही में असम के जोगीघोपा और बोगीबील में रा.ज. -2 पर दो नई जेट्टी का निर्माण किया गया है। जोगीघोपा में जेट्टी का उद्देश्य भूटान और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों के साथ संपर्कता में सुधार करना है। बोगीबील टर्मिनल का उद्देश्य भारत-बांग्लादेश प्रोटोकॉल (आईबीपी) मार्ग के माध्यम से ऊपरी असम, अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड की शेष भारत के साथ संपर्कता में सुधार करना है। नई जेट्टी और ड्रेजिंग

गतिविधियों के प्रत्याशित प्रभाव में स्थानीय उत्पादों जैसे- चाय, कृषि/बागवानी उत्पादों के निर्यात/आयात में वृद्धि और रा.ज. -2 और रा.ज. -16 पर यात्रियों की आवाजाही में वृद्धि शामिल है।

(ग): पिछले पांच वर्षों में असम के राष्ट्रीय जलमार्ग मार्गों से पायलट प्रभार, घाटशुल्क, टर्मिनल बर्थिंग प्रभार और किराया, पोंटून/ जेट्टी किराये पर लेने संबंधी प्रभार, जमा पर ब्याज आदि के रूप में उत्पन्न राजस्व की राशि का विवरण अनुबंध-2 में दिया गया है।

(घ) और (ङ): असम की स्थानीय अर्थव्यवस्था पर ऐसा कोई विशिष्ट वर्षवार आकलन नहीं किया गया है। हालाँकि, अंतर्देशीय जल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक राष्ट्रीय जलमार्ग का विकास उनके व्यवहार्यता अध्ययनों के आधार पर शुरू किया गया है, जिसके निम्नलिखित आर्थिक प्रभाव हैं:

(i) सड़क यातायात के एक बड़े हिस्से को जल परिवहन में स्थानांतरित करने के लिए जब अंतर्देशीय जल परिवहन को विकसित किया जाता है तो वाहनों की आवाजाही से होने वाला प्रदूषण काफी कम हो जाता है।

(ii) ईंधन की लागत में उल्लेखनीय बचत होगी क्योंकि जल परिवहन में ऊर्जा की काफी बचत होती है।

अनुबंध- 1

28/03/2025 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4791 के भाग (क) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध:

2019-20 से 2023-24 तक असम में राष्ट्रीय जलमार्ग कार्गो डेटा (मीट्रिक टन में)						
राष्ट्रीय जलमार्ग (रा.ज.)	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	कार्गो का प्रकार
रा.ज. -2 (ब्रह्मपुत्र नदी (धुबरी-सदिया))	3,92,768	3,07,191	4,28,134	6,29,853	5,89,489	यात्री, यात्री सामान, मोटर साइकिल, वाहन, ओडीसी, क्रशड स्टोन
रा.ज. -16 (बराक नदी)	4,417.00	1,032.00	5,088	11,302	3,178.00	फल सब्जियां
रा.ज. -31 (धनसिरी/चाथे)					7,080	ओडीसी
कुल योग मिलियन टन	3,97,185	3,08,223	4,33,222	6,41,155	5,99,747	

अनुबंध- 2

28/03/2025 के लोक सभा अतांराकित प्रश्न संख्या 4791 के भाग (ग) के उत्तर में संदर्भित अनुबंध:

वित्त. वर्ष	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
राजस्व (रु.)	6612222	3732809	3846650	15572694	7760078

******